MSME क्षेत्र में अंतराल

स्रोत: द हिंदू

भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (SIDBI) द्वारा जारी रिपोर्ट *"□□□□□□ MSME □□□□□□□□ □□ □□□: □□□□□□ □□ □□□□□□□□□□"* में **समय पर और पर्याप्त ऋण की कमी** को भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSME) के लिये प्रमुख चुनौती के रूप में चिन्हित किया गया है।

- **मुख्य निष्कर्ष:** अनौपचारिक उधारी अभी भी प्रचलित है, जहाँ **12% सूक्ष्म उद्यम**, **3% लघु उद्योग**, और **कुल मिलाकर 2% MSME** अब भी अनौपचारिक ऋण स्रोतों पर निर्भर हैं।
  - MSME क्षेत्र को **24% का ऋण अंतराल** का सामना करना पड़ रहा है, जो लगभग **30 लाख करोड़ रुपए** है। **सेवा क्षेत्र में** यह अंतराल **27% तक बढ़** गया है और **महिलाओं के स्वामित्व वाले MSME के लिये यह 35%** तक पहुँच गया है।
  - MSME में 25% इकाइयाँ कुशल मानव संसाधन की कमी, विशेष रूप से रक्षा, परिधान, होटल और सेनेटरीवेयर क्षेत्रों में, का सामना कर रही हैं।
- **SIDBI:** यह एक वैधानिक निकाय है, जिसकी स्थापना **सिडबी अधिनियम, 1989** के तहत की गई थी, और यह भारत में MSME क्षेत्र के संवर्द्धन, वित्तपोषण और विकास के लिये प्रमुख वित्तीय संस्था के रूप में कार्य करता है।
  - SIDBI, जिसका मुख्यालय **लखनऊ**, उत्तर प्रदेश में स्थित है, भारत सरकार की **पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक संस्था** है।
- **भारत में MSME का वर्तमान परिदृश्य:** MSME अब **भारत के** सकल मूल्य संवर्द्धन (GVA) **(2022–23) में 30.1%** का योगदान देते हैं, जो वर्ष 2020–21 में 27.3% था।
  - MSME से निर्यात **₹3.95 लाख करोड़ (2020–21)** से बढ़कर **₹12.39 लाख करोड़ (2024–25)** हो गया है, जिससे वर्ष 2024 तक कुल निर्यात में उनका हिस्सा 45.79% तक पहुँच गया है।

MSME (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) का नया वर्गीकरण:

प्रकार	**निवेश**		**टर्नओवर**	
	वर्तमान	संशोधित	वर्तमान	संशोधित
सूक्ष्म उद्यम	₹1 करोड़	₹2.5 करोड़	₹5 करोड़	₹10 करोड़
लघु उद्यम	₹10 करोड़	₹25 करोड़	₹50 करोड़	₹100 करोड़
मध्यम उद्यम	₹50 करोड़	₹125 करोड़	₹250 करोड़	₹500 करोड़

स्रोत: बजट 2025-2026, निर्मला सीतारमण का भाषण, केंद्रीय वित्त मंत्री, 1 फरवरी 2025

और पढ़ें: केंद्रीय बजट 2025-26 में MSME को बढ़ावा देने के उपाय

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/gaps-in-msme-sector